

पत्रावली देवा दुर्ग) सपिने रिपोर्ट का (अवलोकन
 किया। अपील दूर रिपोर्ट की जावे। अपील के
 साथ संलग्न स्वगत प्रार्थना- पत्र पर अपील (आदि.
 को सफ़रपुत्रीय सुनने एवं पत्रावली का (अवलोकन
 करने के उपरान्त अपीलार्थी के हिससे तब (अधीनस्थ
 न्यायालय (परबतु अधिकारी कोटवास्त्रि के सिविल
 दिनांक 19.6.18 प्र. सं. 142/18 उनका राजपाल
 बनाम सुरेश का उच्चतम स्थिति करने हुए दोनों
 पक्षों को विवादित (आराजी ख. नं. 349 ख. 1.07
 बीषा काठे गाम कतोपुर त. कोटवास्त्रि के एक
 बय। हिंसा न करने काबत आदेवा किया जाउं प्रक
 (अधीनस्थ न्यायालय में ही पक्ष परबतु पर
 चाराजोही करने हेतु तहत (अदालत को परिश्रित
 (Remand) किया जाता है। पत्रावली केवल शुमार
 होकर मरार से कस की जाउर बाद तबगील जाहता
 दाखिल दस्ता की जावे।

धू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन
 राजस्व अपील अधिकारी, अलवर